चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद

Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik bhaskar **Date: 25-07-2023**

जींद भास्कर 25-07-2023

जींद भास्कर

पानीपत, मंगलवार, 25 जुलाई, 2023 | नरवाना • सफीदों • जुलाना | उचाना • शामलो कलां • अलेवा | dainikbhaskar.com

समारोह • चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी में रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ मनाया स्थापना दिवस, मुख्य अतिथि ने नई शिक्षा नीति 2020 को बताया युवाओं के लिए कारगर

तीन से छह महीने में शिक्षकों की कमी को दूर कराने का करेंगे प्रयास : एसीएस आनंद

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएस यूनिवर्सिटी ने रंगारंग कार्यक्रमों के बीच सोमवार को 10वां स्थापना दिवस मनाया। यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से पिछले नौ साल की उपलब्धियों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में मुख्य गतिविधियों के अंतर्गत हवन, वृक्षारोपण, विश्वविद्यालय में स्थापित स्वतंत्रता सेनानी रणबीर सिंह हुड्डा, शहीद कैप्टन पवन कुमार की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण और पुष्पांजलि की गई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में कलाकारों ने हरियाणवी, पंजाबी व अन्य लोकगीतों पर खूब डांस किया।

मुख्य अतिथि उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने यूनिवर्सिटी द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 को लागू करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह नीति युवाओं के भविष्य के लिए काफी कारगर साबित होगी। यूनिवर्सिटी में शिक्षकों की कमी को आगामी 3 से 6 माह में पूरा कर दिया जाएगा। इसके लिए फर्स्ट फेज की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने स्टाफ के सदस्यों और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वह अपनी प्रतिभा को समझें और उसे बढ़ाते हुए राष्ट्र निर्माण में एक आदर्श नागरिक के रूप में अपना योगदान दें। उन्होंने डा. देवेंद्र सिंह द्वारा लिखित ज्ञानोदय पत्रिका का विमोचन किया।

वाइस चांसलर डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि मुख्य अतिथि का प्रेरणादायी व्यक्तित्व विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों और युवा वर्ग के लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रोफेसर एसके सिन्हा ने विश्वविद्यालय के 10 वर्षों की प्रगति विवरण को मुख्य अतिथि के सम्मुख प्रस्तुत किया और कहा कि यूनिवर्सिटी के खिलाड़ियों को सर्वोच्च हरियाणा राज्य खेल पुरस्कार भीम अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। इसी वर्ष राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय की खिलाड़ी साक्षी को अर्जुन अवॉर्ड देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर एडीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ के अलावा डीएवी संस्थाओं के निदेशक डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी, राजकीय महिला महाविद्यालय जींद की प्राचार्य डॉ. वीना बहल तथा राजकीय पीजी कॉलेज जींद के प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक पहुंचे। समारोह की अध्यक्षता वीसी डॉ. रणपाल सिंह ने की।

जींद. समारोह में हरियाणवी नृत्य करते प्रतिभागी।

जींद. यूनिवर्सिटी के स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि, स्टाफ व विद्यार्थी।

मुख्य चौक पर फहराया आरएसएस का झंडा...

स्थापना दिवस समारोह में यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से परिसर के मुख्य चौक पर राष्ट्रीय सेवक संघ का झंडा फहराया हुआ था। यह दर्शकों की चर्चा का विषय बना रहा।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद

Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik jagran **Date: 25-07-2023**

नई शिक्षा नीति को लागू करने में सीआरएसयू प्रदेश में द्वितीय

कार्यक्रम को संबोधित करते एसीएस आनंद मोहन शरण। ● विज्ञप्ति

जींद, विज्ञप्ति: चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण मुख्यातिथि रहे। वहीं एडीसी डा. हरीश कुमार वशिष्ठ विशिष्ट अतिथि रहे।

एसीएस आनंद मोहन शरण ने कहा कि चौधरी रणवीर सिंह विवि ने काफी कम समय में अच्छी पहचान बनाई है। यह विवि के कुशल नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति देश के युवाओं के भविष्य को उज्वल बनाएगी। इसके लिए प्रदेश में काफी बेहतर प्रयास हो रहा है। नई शिक्षा नीति को लागू करने में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पहले व सीआरएसयू दूसरे स्थान पर है। आने वाले समय में इसके परिणाम भी काफी अच्छी होंगे। इस दौरान कुलपति डा. रणपाल सिंह ने कहा कि शीघ्र ही यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालयों में शामिल होगा। इस दौरान डीएवी स्कूल के प्राचार्य डा. धर्मदेव विद्यार्थी, राजकीय महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डा. वीना बहल व डा. सत्यवान मौजूद रहे।

विद्यार्थियों के समग्र विकास में राष्ट्रीय शिक्षा नीति बेहद उपयोगी : आनंद मोहन शरण

जागरण संवाददाता, जींद : राजकीय महिला महाविद्यालय एवं राजकीय महाविद्यालय में सोमवार को उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण पहुंचे। जहां पर उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने शिक्षक समुदाय को प्रोत्साहित किया और कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थियों के हित के लिए समग्र विकास के लिए अत्यंत लाभदायक है। विद्यार्थियों की वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उनको रोजगार परक एवं सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा की जींद के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय की भविष्य में हर प्रकार की जरूरत को विभाग की तरफ से समय पर पूरा किया जाएगा।

समारोह की अध्यक्षता राजकीय महिला महाविद्यालय प्राचार्या वीना बहल, राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने की। इस अवसर पर जयनारायण गहलावत, डा. शमशेर उपस्थित रहे। मंच का संचालन डा. ज्योति ने किया।

एसीएस ने कहा-विद्यार्थियों की वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति को बनाया गया है रोजगारपरक

अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण का स्वागत करते हुए। ● जागरण

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद

Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesri **Date: 25-07-2023**

पंजाब केसरी
TUE,25 JULY 2023
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 4

सी.आर.एस.यू. ने मनाया स्थापना दिवस, कार्यक्रम किए आयोजित

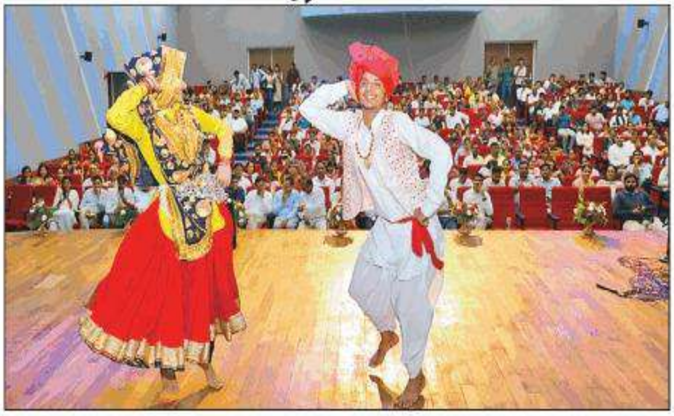

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में कार्यक्रम प्रस्तुति देती टीम।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद ए.सी.एस. और अन्य अतिथि।

जींद, 24 जुलाई (ब्यूरो) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने सोमवार को 10वीं वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में उच्चतर शिक्षा विभाग पंचकूला के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने शिरकत की, जबकि ए.डी.सी. डा. हरीश वशिष्ठ, डी.ए.वी. संस्थाओं के क्षेत्रीय निदेशक डा. धर्मदेव विद्यार्थी, राजकीय महिला कालेज जींद की प्राचार्या डा. वीना बहल तथा राजकीय पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डा. सत्यवान रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आनंद

•ए.सी.एस. आनंद मोहन शरण ने की विवि. की प्रशंसा

मोहन शरण ने विश्वविद्यालय की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह कुशल नेतृत्व और समर्पण से ही संभव हो पाया है।

इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू करने पर भी कुलपति डा. रणपाल सिंह को बधाई दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। उन्होंने सभी स्टाफ के सदस्यों और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वह अपनी प्रतिभा को समझें और उसे बढ़ाते हुए राष्ट्र निर्माण में एक आदर्श नागरिक के रूप में अपना योगदान दें।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय में मुख्य गतिविधियों के अंतर्गत हवन, वृक्षारोपण, विश्वविद्यालय में स्थापित स्वतंत्रता सेनानी रणबीर सिंह और शहीद कैप्टन पवन कुमार की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण और पुष्पांजलि दी गई और नतमस्तक हो उनकी कुर्बानी को स्मरण किया गया।

मुख्यातिथि आनंद मोहन शरण ने ज्ञानोदय पत्रिका का अनावरण किया।

कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने बताया कि साल 2014 में 8 विभागों के साथ विश्वविद्यालय की शुरुआत हुई थी, जो वर्तमान समय में बढ़कर 26 विभागों और 53 पाठ्यक्रमों के रूप में शिक्षा, खेल, शोध और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में निरंतर उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है।

वी.सी. डा. रणपाल ने आशा जताई कि शीघ्र ही यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालयों में अग्रणी श्रेणी में शामिल होगा। प्रो. एस.के. सिन्हा ने विश्वविद्यालय के 10 वर्षों की प्रगति विवरण को मुख्यातिथि के सम्मुख रखा और बताया कि चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को सर्वोच्च हरियाणा राज्य खेल पुरस्कार भीम अवार्ड से नवाजा जा चुका है।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद

Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Hari bhoomi **Date: 25-07-2023**

चौधरी रणबीर सिंह विवि के स्थापना दिवस पर छात्र-छात्रओं ने सुंदर प्रस्तुतियों से मन मोहा

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उच्चतर शिक्षा हरियाणा पंचकूला के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते हुए छात्र।

- वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखकर छात्रों को रोजगार शिक्षा देने की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने सोमवार को अपनी दसवीं वर्षगांठ हर्षोल्लास के साथ मनाई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उच्चतर शिक्षा हरियाणा पंचकूला के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में एडीसी हरीश कुमार वशिष्ठ तथा अन्य गणमान्य अतिथियों के रूप में डा. धर्मदेव विद्यार्थी, राजकीय महिला महाविद्यालय जींद की प्राचार्या डा. वीना बहल तथा राजकीय महाविद्यालय जींद के प्राचार्य डा. सत्यवान रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में मुख्य गतिविधियों में पौध रोपण किया।

वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रख छात्रों को रोजगार परक एवं सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देने की कवायद : शरण

उच्चतर शिक्षा हरियाणा पंचकूला के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने विश्वविद्यालय की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह कुशल नेतृत्व और समर्पण से ही संभव हो पाया है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू करने पर भी कुलपति को बधाई दी। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा जो सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई उसकी प्रशंसा करते हुए उन्होंने सभी स्टाफ के सदस्यों और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वह अपनी प्रतिभा को समझें और उसे बढ़ाते हुए राष्ट्र निर्माण में एक आदर्श नागरिक के रूप में अपना योगदान दें।

ज्ञानोदय पत्रिका का अनावरण किया

उच्चतर शिक्षा हरियाणा पंचकूला के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण द्वारा ज्ञानोदय पत्रिका का अनावरण किया गया। कुलपति डा. रणपाल सिंह ने आशा व्यक्त की कि शीघ्र ही यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालयों में अग्रणी श्रेणी में शामिल होगा। उन्होंने बताया कि उनका आगमन इस अवसर को सार्थकता और शोभा प्रदान कर रहा है। उनका प्रेरणादायी व्यक्तित्व विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों और युवा वर्ग के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

विश्वविद्यालय के 10 वर्षों की प्रगति का विवरण दिया

प्रो. एसके सिन्हा ने विवि के 10 वर्षों की प्रगति विवरण को मुख्यअतिथि के सम्मुख उजागर करते हुए बताया कि चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को सर्वोच्च हरियाणा राज्य खेल पुरस्कार भीम अवार्ड से नवाजा जा चुका है। विश्वविद्यालय की एक खिलाड़ी कुमारी साक्षी को इसी वर्ष अर्जुन अवार्ड देकर के माननीय महामहिम राष्ट्रपति ने सम्मानित किया। विगत तीन खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में चौधरी रणबीर सिंह विद्यालय जींद ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद

Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 25-07-2023**

Youth & Women
युवा • महिला • संस्कृति • समाज

my city
जींद

राष्ट्र निर्माण में योगदान करें शिक्षक-विद्यार्थी

सीआरएसयू की दसवीं वर्षगांठ समारोह में उच्चतर शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने किया आह्वान

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने सोमवार को समारोह पूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच दसवीं वर्षगांठ मनाई। समारोह के मुख्य अतिथि उच्चतर शिक्षा हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने स्टाफ और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वह अपनी प्रतिभा को समझें और राष्ट्र निर्माण में एक आदर्श नागरिक के रूप में योगदान दें।

विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उच्चतर शिक्षा हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में एडीसी हरीश वशिष्ठ, तथा डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी, राजकीय महिला महाविद्यालय जींद प्राचार्या डॉ. वीना बहल तथा राजकीय महाविद्यालय जींद के प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत हवन और पौधरोपण से हुई। इसके बाद अतिथियों ने स्वतंत्रता सेनानी रणबीर सिंह और शहीद कैप्टन पवन कुमार की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सबका मन मोहा। मुख्यातिथि आनंद मोहन शरण ने ज्ञानोदय पत्रिका का अनावरण किया।

सीआरएसयू में कार्यक्रम की शुरुआत करते मुख्यातिथि आनंद मोहन शरण। संवाद

ज्ञानोदय पत्रिका 2022-23 के मुख्य संपादक डॉ. देवेंद्र सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के सांस्कृतिक और शिक्षात्मक अनुभव के रूप में है जो विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को विभिन्न अनुभवों से रूबरू कराएगा। मुख्यातिथि आनंद मोहन शरण ने विश्वविद्यालय की प्रगति पर कहा कि यह कुशल नेतृत्व और समर्पण से ही संभव हुआ है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू हो चुकी है। विश्वविद्यालय के दस वर्षों का स्वर्णिम इतिहास रहा है।

कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने बताया कि शीघ्र ही यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालयों में अग्रणी श्रेणी में शामिल होगा। विश्वविद्यालय में पढ़ा हर युवा अपनी पहचान बनाए। कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने बताया कि वर्ष 2014 में आठ विभागों के साथ विश्वविद्यालय की शुरुआत हुई थी जो वर्तमान समय में बढ़कर 26 विभागों और 53 पाठ्यक्रमों के रूप में शिक्षा, खेल, शोध और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अग्रसर है। मंच संचालन

सीआरएसयू में आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देती छात्राएं। संवाद

विश्वविद्यालय का खेलों में शानदार इतिहास

प्रो. एसके सिन्हा ने बताया कि विश्वविद्यालय के पिछले दस वर्षों के इतिहास में खिलाड़ियों को भीम अवार्ड से नवाजा जा चुका है। कुमारी साक्षी को अर्जुन अवार्ड देकर राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मु ने सम्मानित किया था। इसके अलावा खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में विश्वविद्यालय की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। वर्ष 2022 में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेल में बेंगलुरु में 12 पदक जीते थे। इस आधार पर वह हरियाणा की तीसरी लीडिंग यूनिवर्सिटी खेल के क्षेत्र में रही और पूरे भारतवर्ष में एक हजार दिनों के अंदर मेडल टैली में 14वां स्थान प्राप्त किया।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: India Timer **Date: 25-07-2023**

सीआरएसयू ने मनाया स्थापना दिवस

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने पर पीठ थपथपाई

जींद,ब्यूरो(इंडिया टाइमर): चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद में सोमवार को 2014 से लेकर अब तक का सफर तय करने के दौरान जो उपलब्धियां हासिल की गई है, उनका ब्खान उच्चतर शिक्षा, हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव आंनद मोहन शरण के सामने किया गया। अवसर था विश्वविद्यालय की दसवीं वर्षगांठ समारोह का। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, उच्चतर शिक्षा हरियाणा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में एडीसी हरीश कुमार वशिष्ट जींद तथा अन्य गणमान्य अतिथियों के रूप में डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी, प्राचार्या डॉ वीना बहल तथा प्राचार्य डॉ. सत्यवान रहे। वीसी डॉ. रणपाल सिंह ने तमाम अतिथियों का स्वागत किया। कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन ने बताया कि वर्ष 2014 में 8 विभागों के साथ विश्वविद्यालय की शुरुआत हुई थी जो वर्तमान समय में बढ़कर 26 विभागों और 53 पाठ्यक्रमों के रूप में शिक्षा, खेल, शोध और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में निरंतर उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय में मुख्य गतिविधियों के अंतर्गत हवन, वृक्षारोपण, विश्वविद्यालय में स्थापित स्वतंत्रता सेनानी रणबीर सिंह व शहीद कैप्टन पवन कुमार की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि की गई और नतमस्तक हो उनकी कुर्बानी को स्मरण किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा तथा युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आनंद मोहन शरण, उच्चतर शिक्षा हरियाणा द्वारा ज्ञानोदय पत्रिका का अनावरण किया गया। डॉ. देवेंद्र सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के सांस्कृतिक और शिक्षात्मक अनुभव के रूप में है, जो विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को विभिन्न अनुभवों से रूबरू कराएगा और इसके माध्यम से छात्रों को विभिन्न विषयों में अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा, जिससे उनमें लेखन, विचार-विमर्श, और सामाजिक जागरूकता की भावना विकसित होगी। कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने मुख्य अतिथि व अन्य विशिष्ट अतिथियों के प्रति आभार व स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया और आशा व्यक्त की कि शीघ्र ही यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालयों में अग्रणी श्रेणी में शामिल होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने पर पीठ थपथपाई

आनंद मोहन शरण ने कहा कि यह कुशल नेतृत्व और समर्पण से ही विश्वविद्यालय आगे बढ़ता है। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू करने पर भी कुलपति डॉ0 रणपाल सिंह को बधाई दी। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा जो सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई उसकी प्रशंसा करते हुए उन्होंने सभी स्टाफ के सदस्यों और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वह अपनी प्रतिभा को समझें और उसे बढ़ाते हुए राष्ट्र निर्माण में एक आदर्श नागरिक के रूप में अपना योगदान दें।